मीडिया रिलीज - सोमवार 21 मार्च

चेतावनी: इस शोध में ऐसी भाषा शामिल है जो कुछ पाठकों को आपत्तिजनक लग सकती है

BSA (बीएसए) अध्ययन में पाया गया कि दर्शक नस्लीय या सांस्कृतिक गालियों के प्रति कम सहिष्णु, F -वर्ड (एफ-शब्द) के बारे में ज्यादा सहिष्णु।

ब्रॉडकास्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी के नए शोध के अनुसार, टीवी और रेडियो दर्शकों में नस्लीय और सांस्कृतिक अपमान के प्रति सहनशीलता कम हो रही है, लेकिन ईश-निंदा या भगवान की निंदा और F -शब्द का उपयोग करने वाले शब्दों के प्रति रवैया नरम हो रहा है।

ये निष्कर्ष प्रसारण में आपत्तिजनक भाषा पर विकसित सार्वजनिक विचारों को ट्रैक करने वाले नवीनतम BSA अनुसंधान का हिस्सा हैं। परिणामों का उपयोग BSA और प्रसारकों द्वारा यह सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए किया जाता है कि कार्यक्रम और BSA के फैसले वर्तमान सामुदायिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

जिन प्रतिभागियों ने *लैंगवेज़ दैट मे ऑफेंड इन ब्रॉडकास्टिंग (ऐसी भाषा जो प्रसारण में अपमान कर सकती है) सर्वेक्षण** में भाग लिया था, उनसे 31 शब्द / वाक्यांश जो अपमान कर सकते हैं, उनके बारे में उनके विचारों के साथ - साथ विभिन्न प्रसारण संदर्भों में उनके सामान्य दृष्टिकोण के बारे में भी प्रश्न किए गए थे। इन शब्दों में (कुछ माओरी और सामोअन भाषाओं समेत) गाली वाले शब्द, नस्लीय और लिंग-आधारित शब्द और ईश-निंदा शामिल थे।

प्रमुख निष्कर्षों में शामिल हैं:

- 2018 में पिछले सर्वेक्षण की तुलना में, नस्लीय और सांस्कृतिक अपमान के लिए सहनशीलता कम है। ये सभी प्रसारण संदर्भों में शीर्ष सात सबसे अस्वीकार्य शब्दों पर हावी हैं।
- N-शब्द टैस्ट किए गए सभी शब्दों में सबसे कम स्वीकार्य है, सर्वेक्षण में शामिल 65% लोगों ने इसे सभी परिदृश्यों में पूरी तरह से अस्वीकार्य माना है। C -शब्द (57% पर) एक नए परीक्षण किए गए नस्लीय अपमान के साथ, दूसरा-बराबर कम से कम स्वीकार्य शब्द है।
- 2018 के बाद से F-वर्ड समेत संबंधित शब्दों में अस्वीकार्यता में काफी गिरावट आई है और परिणामों ने ईश-निंदा या भगवान की निंदा के प्रति दृष्टिकोण में आई नरमी का सुझाव दिया है।
- पैसीफिक या प्रशांत के लोग आमतौर पर कम से कम आपत्तिजनक भाषा स्वीकार करते हैं। सभी जातियों की तरह, उनके लिए N-शब्द सबसे आपत्तिजनक शब्द है। माओरी लोगों को नस्लीय और लिंग आधारित शब्द सबसे कम स्वीकार्य हैं।
- 55 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की तुलना में कम उम्र के लोग आमतौर पर आपत्तिजनक भाषा को स्वीकार करते हैं। हालांकि, उनमें बड़े आयु समूहों (बुजुर्गों) की तुलना में लिंग या सैक्सुअल ओरियेन्टेशन (यौन दिशा) से संबंधित शब्दों के प्रति कम सहनशीलता होती है।

- 65 से अधिक आयु वर्ग को आपत्तिजनक भाषा आमतौर पर कम स्वीकार्य लगती है।
- महिलाओं को संभावित आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग पुरुषों की तुलना में अधिक अस्वीकार्य लगता है (किसी भी प्रतिभागी ने अन्य लिंग के रूप में स्वयं की पहचान नहीं की थी)।
- मेजबान/प्रस्तुतकर्ता के साथ अधिक तथ्य-आधारित प्रसारण सेटिंग्स में, खेल कमेंट्री, टॉकबैक रेडियो, रियलिटी टीवी शो और कार्यक्रमों में आपत्तिजनक भाषा को रात 8.30 बजे से पहले कम से कम स्वीकार्य माना जाता है।
- स्टैंड-अप कॉमेडियन द्वारा रात 8.30 बजे के बाद संभावित आपत्तिजनक भाषा का उपयोग, और टीवी पर संगीत और/या रैप वीडियो अथवा रेडियो पर गानों को अन्य प्रकार की प्रोग्रामिंग की तुलना में अधिक स्वीकार्य माना जाता है।

BSA के मुख्य कार्यकारी Glen Scanlon (ग्लेन स्कैनलॉन) का कहना है कि निष्कर्ष प्रसारण में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर वर्तमान विचारों का एक स्नैपशॉट प्रदान करते हैं और इस तथ्य को दर्शाते हैं कि सामुदायिक दृष्टिकोण लगातार विकसित हो रहे हैं।
“समुदाय स्पष्ट रूप से कह रहा है कि वह नस्लवाद को कायम रखने वाली भाषा को स्वीकार नहीं करेगा।”

स्कैनलॉन का कहना है कि यह शोध इस बात पर प्रकाश डालता है कि दर्शक भाषा के उपयोग को कैसे देखते हैं, इसमें संदर्भ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

“यह दर्शकों के लिए ऐसी अग्रिम सलाह के मूल्य को भी रेखांकित करता है जो स्पष्ट रूप से भाषा की चेतावनी देते हैं कि कुछ लोगों को भाषा, और सामग्री की दृष्टि से उपयुक्त समय पर प्रसारण भी चुनौतीपूर्ण लग सकता है - ताकि दर्शक जानकारी के आधार पर देखने और सुनने के विकल्प बनाने का निर्णय ले सकते हैं,” स्कैनलॉन कहते हैं।

* BSA की ओर से NielsenIQ द्वारा 18 नवंबर से 10 दिसंबर, 2021 तक 18+ आयु वर्ग के 1,505 लोगों का सर्वेक्षण किया गया था। पूर्ण सर्वेक्षण रिपोर्ट, जिसमें 12 अलग-अलग प्रसारण संदर्भों में 31 विशेष शब्दों और अभिव्यक्तियों की स्वीकार्यता पर निष्कर्ष शामिल हैं, उनको यहां BSA (बीएसए) वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

समाप्त

अधिक जानकारी

ब्रॉडकॉस्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी के बारे में

बी.एस.ए एक स्वतंत्र राजकीय संस्था है जो न्यूज़ीलैंड में प्रसारण मानक नियमों की निगरानी करती है। यह मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रसारणों की शिकायतें निर्धारित करता है, जांच-पड़ताल करता है और प्रसारणकर्ताओं के परामर्श से प्रसारण मानकों के विकास की निगरानी करता है।

ट्विटर पर @BSA_NZ या LinkedIn पर हमें फॉलो करें

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: www.bsa.govt.nz